VAN VIHAR NEWSLETTER

APRIL-MAY-JUNE 2023

संचालक डेस्क

It is my privilege to bring the 3rd News Letter of Van Vihar for you. I would like to congratulate my team for constantly working on it and bringing out the special edition of News Letter of Van Vihar National Park and Zoo, Bhopal. I am happy that this third edition is dedicated to one of the lesser known and an important group of fauna the Turtles and Tortoises. Although they have similar looks they differ in their habit, habitat, characteristics and behavior. Hence it is important to know about their habitat, food habit for conserving them to conserve our mother earth. I hope this News Letter is an interesting read and will be able to bring you more closer to the nature and Van Vihar. The News Letter is also a medium to show case various activities carried out at Van Vihar like Nature Camp, Anubhuti, Summer Camps and other awareness generation activities.

(Smt. Padmapriyan Balakrishan) (I.F.S)

Director

वन्यप्राणी अंगीकृत करें

वन विहार के वन्यप्राणियों को किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा, मासिक, त्रैमासिक, छ:माही या वर्ष भर के लिए गोद लिया जा सकता है। वन्यप्राणी अंगीकरण योजना के अंतर्गत व्यय की गई राशि 80G के अंतर्गत नियमानुसार आयकर से मुक्त होगी। निम्न वन्यप्राणियों को उनके समक्ष दर्शित राशि, Executive Director M.P. Tiger Foundation Society, Van Vihar National Park, Bhopal के नाम पर चैक जारी कर गोद लिया जा सकता है:-

प्रजाति	वार्षिक राशि रू	अर्द्धवार्षिक राशि रू	त्रैमासिक राशि रू	मासिक राशि रू
बाघ	2,00,000	1,00,000	50,000	17,000
सिंह	2,00,000	1,00,000	50,000	17,000
तेन्दुआ	1,00,000	50,000	25,000	9,000
भालू	1,00,000	50,000	25,000	9,000
लकड़बग्गा	36,000	19,000	10,000	4,000
जैकाल	30,000	16,000	9,000	3,500
मगर	36,000	19,000	10,000	4,000
घड़ियाल	50,000	26,000	14,000	5,000
अजगर	8,000	4,500	2,300	800

Address :
Director, Van Vihar National Park and Zoo,Bhadbhada Road, Bhopal – 462003
Phone : 0755 - 2674278
Email : fdvanvnp.bpl@mp.gov.in

Van Vihar is open to tourist on all days of the week except Friday.

@VanViharNationalParkOfficialPage
@vanviharnationalpark.bhopal
@van_vihar
www.vanviharnationalpark.org

Visit our website for park timings and gate charges.

वन विहार के टर्टल एण्ड टोरटॉईज

टर्टल एवं टॉरटॉईज दोनों ही सरीसृप (Reptile) वर्ग के प्राणी हैं। सामान्य तौर पर टॉरटॉईज स्थलीय अधिकांश जमीन पर रहने वाले होते हैं और टर्टल जलीय अधिकांश समय जल पर रहने वाले प्राणी हैं। कछुओं में शेल "रिबबोन" से बनी हुई होती है जिसके ऊपर केरेटिन (जिससे बाल, नाखून बनते हैं) की स्केल लगी होती है। ऊपरी हिस्सा कड़ा जो कि "कारापेस" कहलाता है तथा अंदरूनी हिस्सा "प्लेस्ट्रान" कहलाता है। ये भी कोल्ड ब्लडेड एनीमल है जिनके शरीर का तापक्रम वातावरण के साथ बदलता है। समुद्री कछुए (Sea Turtal) समुद्र के किनारों पर जाकर अण्डे देने के लिए दूर-दूर प्रवास करते हैं।

दोनों में मुख्य अन्तर निम्नानुसार है:-

टर्टल	टॉरर्टाईज
मुख्यत: जलीय प्राणी।	मुख्यत: स्थलीय प्राणी।
सामान्य तौर पर चपटा, स्ट्रीमलाइन शेल होता है।	शेल का आकार 6.8 से.मी. से 1.2 मी. तक होता है सामान्य तौर पर डोम शेप का।
आयु 20 – 40 वर्ष।	आयु 80 – 150 वर्ष।
सर्वभक्षी होते हैं फल सब्जी के अतिरिक्त माँस भी खाते हैं।	सामान्य तौर पर शाकाहारी है पर कुछ प्रजातियाँ कीड़े एवं पक्षी भी खा लेते हैं।
पैर फ्लैपी तथा नाखून बड़े होते हैं।	पैर छोटे मजबूत एवं मुड़े हुए होते हैं।
इनके बच्चे पैदा होने के बाद 90 से 120 दिन तक माँ के घोसलों में रहते हैं।	इनके बच्चे पैदा होने के बाद माँ के घोसले से दूर चले जाते हैं।
वन विहार में फ्लैप शेल टर्टल की संख्या 34 है।	वन विहार में स्टार टॉरटाईज की संख्या 23 है तथा सलकाटा टॉरटाईज की संख्या 4 है।

सॉफ्ट शेल टर्टल –

सॉफ्टशेल कछुए मीठे पानी के कछुए हैं। ये कछुए मुख्य रूप से नदियों, झीलों और छोटे तालाबों जैसे मीठे पानी में पाए जाते हैं।
एशिया में प्रजातियों की सबसे अधिक विविधता है। उदाहरण के लिए, भारतीय और बर्मी फ्लैप शेल कछुए धीमी गति से बहने वाली नदियों में पाए जाते हैं। वे आकार में छोटे लंबाई में 11 इंच (28 सेमी) तक और मिट्टी के रंग के होते हैं। इसके विपरीत, संकीर्ण सिर वाले सॉफ्टशेल कछुए और एशियाई विशाल सॉफ्टशेल कछुए बहुत बड़े होते हैं, जिनकी लंबाई 3 फीट (1 मीटर) से अधिक होती है।
सॉफ्टशेल कछुए मुख्यतः मांसाहारी होते हैं। वे सक्रिय रूप से अपने शिकार की तलाश करते हैं या घात लगाकर बैठे रहते हैं। ये सरीसृप, उभयचर और मछली खाते हैं, हालाँकि कुछ प्रजातियाँ पौधों एवं वनस्पति खाने के लिए जानी जाती हैं। सॉफ्टशेल कछुए नदी या झील के ऊपर रेतीले तटों पर अपने अंडे देते हैं। दुर्भाग्य से, सॉफ्टशेल कछुओं को मुख्य ख़तरा इंसानों से होता है। पर्यावास विनाश और प्रदूषण न केवल जहां वे रहते हैं उसे नष्ट कर देते हैं बल्कि उनके शिकार की उपलब्धता को भी प्रभावित कर सकते हैं। कुछ प्रजातियों का भोजन और औषधि के रूप में उपयोग के लिए भी शिकार किया जाता है।

वन विहार जैव विविधता के लिए जाना जाता है। यहाँ सरीसृपों की अनेक प्रजातियाँ पाई जाती हैं जो मुख्यत: इस प्रकार है:-

(1) एशियाई जाइन्ट सॉफ्टशेल कछुआ जिसे आमतौर पर कैंटर के विशाल सॉफ्टशेल कछुए और मेंढक-चेहरे वाले सॉफ्टशेल कछुए के रूप में भी जाना जाता है, ट्रायोनीचिडे परिवार में मीठे पानी के कछुए की एक प्रजाति है। यह प्रजाति दक्षिण पूर्व एशिया की मूल निवासी है।

धीमी गति से बहने वाली, मीठे पानी की नदियों, झीलों, झरनों में निवास करते हैं।

यह कछुए अपना अधिकांश जीवन दबे हुए और गतिहीन बिताते हैं, केवल उनकी आंखें और मुंह रेत से बाहर निकलते हैं। वे साँस लेने के लिए दिन में केवल दो बार सतह पर आते हैं

यह कछुए मुख्य रूप से मांसाहारी (मछली खाने वाले) होते हैं जो मछली और मोलस्क खाते हैं। वे अपने आहार को कुछ जलीय पौधों से भी पूरक कर सकते हैं।

(2) भारतीय फ्लैपशेल कछुए भारतीय उपमहाद्वीप में पाए जाते हैं। वे नदियों, झरनों, दलदलों, तालाबों, और झीलों के स्थिर पानी में रहते हैं। ये कछुए बिल खोदने की प्रवृत्ति के कारण रेत या मिट्टी के तल वाले पानी को पसंद करते हैं।

यह रूपात्मक रूप से सॉफ़्टशेल और हार्डशेल जलीय कछुओं के बीच एक विकासवादी कड़ी है। भारतीय फ्लैपशेल कछुए सर्वाहारी होते हैं। वे मेंढक, मछलियाँ, झींगा, घोंघे, जलीय वनस्पति और बीज खाते हैं। वास स्थल ह्रास एवं पालतू बनाने की प्रवृति इसके अस्तित्व के लिए खतरा है

स्टार टारटाईज –

इण्डियन स्टार टारटाईज भारतीय उप महाद्विप में पाए जाते हैं। यह भारत और श्रीलंका के शुष्क और सूखे जंगलों में पाया जाता है। आम तौर पर सूखे खुले आवासों जैसे- झाड़ी युक्त जंगल, घास के मैदान एवं चट्टानों वाले क्षेत्र में पाए जाते हैं। इसका नाम तारे जैसे पैटर्न से आया है जो इसके ऊंचे गुंबद वाले खोल पर दिखाई देते हैं। इन विशिष्ट पैटर्न और इसके अत्यधिक गोल खोल के कारण, भारतीय स्टार कछुआ दुनिया भर में विदेशी पालतू जानवरों के व्यापार में लोकप्रिय है। इस प्रजाति का निवास स्थान कम होने के कारण इसकी संख्या में कमी देखी गई है।

अफ्रीकन स्परर्ड कछुआ –

सल्काटा कछुआ (जियोचेलोन सल्काटा), जिसे अफ्रीकी Spurred कछुआ भी कहा जाता है, दुनिया की सबसे बड़ी कछुआ प्रजातियों में से एक है। इसमें भूरे से पीले रंग का खोल और बहुत मोटी, पीले-भूरे रंग की त्वचा होती है, साथ ही इसके पैरों पर नुकीले स्पर्स होते हैं। उप-सहारा अफ्रीका के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों के मूल निवासी हैं।

वे पहाड़ियों, स्थिर टीलों और झाड़ियों और ऊंची घास वाले समतल क्षेत्रों में पाए जाते हैं। वे बाधित जलधाराओं या नदियों वाले क्षेत्रों में भी बसना पसंद करते हैं। इन शुष्क क्षेत्रों में, कछुआ उच्च नमी स्तर वाले क्षेत्रों में जाने के लिए जमीन में बिल खोदता है, और दिन का सबसे गर्म हिस्सा इन बिलों में बिताता है। जंगली में, वे बहुत गहराई तक, 15 मीटर तक गहरे और 30 मीटर लंबे बिल खोद सकते हैं।

वन विहार में वर्ष-2018 में अफ्रीकन टारटाईज को प्रभारी राज्य स्तरीय स्टाइक फोर्स द्वारा रेस्क्यू कर वन विहार लाया गया जहाँ पर उनको क्वारनटाईन में देख-रेख में रखा गया एवं समय-समय पर उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। इन कछुओं के लिए एक सर्वसुविधाओं से युक्त हाउस का निर्माण किया गया है। हालहि में अनुभूति कार्यक्रम के अवसर पर श्री आर.के. गुप्ता, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख द्वारा इस हाउस का उद्घाटन किया गया है।

समर कैम्प

वन विहार में दिनांक 15.04.2023 से 27.05.23 तक समर कैम्प का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भोपाल के शिक्षण संस्थानों-स्कूलों/ कॉलेजों से छात्र-छात्राओं, अभिभावकों व शिक्षकों द्वारा लगभग 350 प्रतिभागियों ने भाग लिया गया।

प्रतिभागियों को वन विहार पर बनी मूवी द्वारा वन विहार की जानकारी दी एवं एक कार्टून मूवी दिखाकर बाघ पर्यारण के लिये क्यों आवश्यक है की जानकारी उपलब्ध करायी गयी। वन विहार भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को वन विहार के स्नेक पार्क, बटरफ्लाई पार्क, बर्ड इंटर प्रिटेशन सेंटर इत्यादि स्थलों का भ्रमण कराया गया। प्रतिभागी लायन, बाघ, शेर, तेन्दुआ एवं भालू सांभर चीतल बारासिंगा आदि वन्यजीव एवं अन्य पक्षियों को दिखाया गया। प्रतिभागियों को तितली पार्क का भ्रमण कराते समय तितलियों की प्रजाति सम्बन्धित जानकारी उपलब्ध करायी गयी। स्वल्पाहार के उपरांत सभी प्रतिभागियों के लिये पेपर कटिंग क्राफ्ट एवं मिट्टी से शिल्प कला का प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभागियों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया।

कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती पद्मप्रिया बालकृष्णन, संचालक, वन विहार, श्री सुनील सिन्हा, सहायक संचालक, वन विहार, भोपाल के निर्देशन में इकाई प्रभारी पर्यटन, श्रीमती अनामिका चौपड़े नागरे द्वारा कराया गया। श्री विजय नंदवंशी, बायोलॉजिस्ट द्वारा वन विहार व वन्यप्राणियों से संबंधित जानकारी दी।

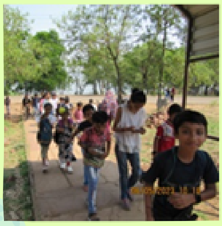

साथ ही वन विहार में Cerebral Palsy Association of India, Bhopal स्कूल के दिव्यांग छात्र-छात्राओं हेतु समर कैंप का नि:शुल्क आयोजन किया गया। समर कैंप में 42 छात्र-छात्राओं एवं उनके सहयोगियों ने भाग लिया।

मिशन लाईफ अंतर्गत कार्यक्रम

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा चलाए गए “मिशन लाईफ” की थीम को सपोर्ट करने के लिए वन विहार में स्थित स्नेक पार्क में "सिग्नेचर कैम्पेन" दिनांक 05.05.2023 से दिनांक 05.06.2023 तक प्रतिदिन आयोजित किया गया। कैम्पेन के अंतर्गत वन विहार में आए पर्यटकों से सस्टेनेबल फूड सिस्टम्स को अपनाएं, स्वस्थ जीवन शैली, सिंगल यूज प्लास्टिक को न कहें, अपशिष्ट कम करें, ऊर्जा बचाओ, पानी बचाओ, ई-कचरा कम करें की शपथ दिलाई गई।

मिशन लाईफ के तहत वन विहार में चलाए गए उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 2000 पर्यटकों ने भाग लिया। समस्त कार्यक्रम का संचालन श्रीमती पद्माप्रिया बालाकृष्णन, संचालक, वन विहार, श्री सुनील कुमार सिन्हा, सहायक संचालक एवं श्री विजय बाबू नंदवंशी, बायोलॉजिस्ट, वन विहार द्वारा किया गया।

मिशन लाईफ के अंतर्गत वन विहार में किए गए विभिन्न कार्यक्रम

“मिशन लाईफ” कैम्पेन दिनांक 05.05.2023 से दिनांक 05.06.2023 तक प्रतिदिन आयोजित किया गया। इस कैम्पेन में मिशन लाईफ के अंतर्गत निम्नलिखित थीम को अपनाने के लिए पर्यटकों को जागरूक किया:-

सफाई अभियान - वन विहार, भोपाल में पार्क क्षेत्र के स्थानों में दिनांक 12.05.2023 को सम्पूर्ण वन विहार के स्टाफ द्वारा सफाई अभियान के तहत सफाई की गई तथा दिनांक 13.05.2023 को वन विहार में भ्रमण करने आए पर्यटकों द्वारा सफाई अभियान चलाया गया।

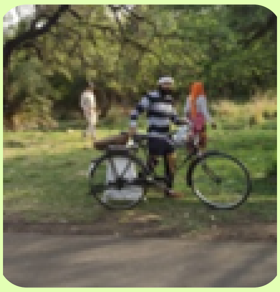

ई-व्हीकल - वन विहार भोपाल में आए पर्यटकों को ई-वहीकल की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है जिससे पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है। मिशन लाइफ के तहत ई-व्हीकल का उपयोग करने वाले पर्यटकों को इसके बारे में जानकारी दी गई एवं पर्यावरण को सुरक्षित रखने की शपथ भी दिलाई गई।

वाटर ए.टी.एम. मशीन – वन विहार में प्लास्टिक की बॉटल को गेट पर ही जमा कर लिया जाता है। तथा पीने के पानी के लिए (वाटर ए.टी.एम.) मशीन एवं स्टील की बाटल उपलब्ध कराई गई।

भ्रमण - वन विहार, भोपाल द्वारा पर्यटकों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने हेतु पार्क में पैदल चलने की सुविधा भी उपलब्ध गई जो कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य लाभ एवं पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त रखती है।

साईकिल - वन विहार, भोपाल में पर्यटकों के लिए साइकिल भी उपलब्ध कराई गई जिससे पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है और वन विहार में आए पर्यटकों को मिशन लाइक के तहत इसके बारे में जागरूक भी किया गया एवं पर्यावरण बचाने की शपथ भी दिलाई गई।

पुस्तिका ब्रोशर - मिशन लाइफ के अंतर्गत बनवाए गए ब्रोशर के माध्यम से पर्यावरण को बचाने के बारे में जानकारी दी एवं पर्यटकों को प्रतिदिन ब्रोशर वितरण किए।

टिकिट - वन विहार में जंगल सफारी हेतु दिए जाने वाले टिकिट पर पर्यटकों में पर्यावरण को बचाने के लिए मिशन लाईफ की थीम को प्रिन्ट किया गया।

बैनर - मिशन लाईफ का बैनर गेट क्रमांक-1 व 2 पर लगाया एवं इसके माध्यम से मिशन लाईफ कैम्पेन को सपोर्ट करने के लिए प्रेरित किया।

"मिशन लाईफ" के तहत वन विहार में चलाए गए उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 4000 पर्यटकों ने भाग लिया। समस्त कार्यक्रम का संचालन श्रीमती पद्माप्रिया बालाकृष्णन, संचालक, वन विहार, श्री सुनील कुमार सिन्हा, सहायक संचालक, वन विहार द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने एवं सम्पूर्ण करने में वन विहार के समस्त स्टाफ एवं श्रीमती अनामिका, रेज ऑफिसर, पर्यटन एवं श्री विजय बाबू नंदवंशी, बायोलॉजिस्ट द्वारा प्रतिदिन कराई जाने वाली गतिविधियों में अहम भूमिका निभाकर कार्यक्रम में सहयोग किया।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में त्रैमासिक में पर्यटकों का आगमन

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में माहवार भ्रमण के लिए आए पर्यटकों की जानकारी:-

माह	पर्यटक संख्या
अप्रैल 2023	61661
मई 2023	74572
जून 2023	75386

जैव विविधता दिवस

वन विहार में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 22 मई 2023 के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें आर.एम.एन.एच, संस्था भोपाल बर्डस संस्था एवं शासकीय एम.एल.बी. गर्ल्स स्कूल से आये लगभग 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रातः 07:00 बजे बर्ड बाचिंग कैंप से जैव विविधता दिवस का शुभारंभ किया गया जिसमें प्रतिभागियों को वन विहार के विभिन्न स्थलों पर स्नेक पार्क, बटरफ्लाई पार्क, नीडम इत्यादि स्थलों का भ्रमण कराया गया जिसमें डॉ. संगीता राजगीर एवं मो. खलीक भोपाल बर्डस द्वारा विभिन्न पक्षियों से संबंधित जानकारी प्रतिभागियों को उपलब्ध कराई गई तथा कृत्रिम घोंसले भी प्रतिभागियों में वितरित किये गये। इस अवसर पर मिशन लाइफ तथा समझौते से कार्यवाही तक: जैव विविधता का पुर्न निर्माण करें (From Agreement to Action : Build Back Biodiversity) पर आधारित थीम पर चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (खुला वर्ग हेतु) कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें प्रतिभागियों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुदेश वाघमारे, से.नि. सहायक, वन संरक्षक द्वारा प्रतिभागियों को जैव विविधता के संबंध में आवश्यक व रोचक जानकारी दी गई। श्रीमती पद्मप्रिया बालाकृष्णन संचालक वन विहार द्वारा समस्त प्रतिभागियों को जैव विविधता संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

पर्यावरण दिवस

दिनांक 05 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में स्थित स्नेक पार्क में एक 'On the spot' क्विज प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिसमें वन विहार में भ्रमण करने आए पर्यटकों ने इस प्रतियोगिता में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इसमें लगभग 200 पर्यटकों ने भाग लिया जिन्हें पाँच ग्रुप में बाँटकर पर्यावरण से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए एवं पूछे गए प्रश्नों पर वार्तालाप कर पर्यावरण से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की तथा जिन प्रतिभागियों ने सबसे अधिक सही उत्तर दिए उन्हें पुरूस्कृत किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती पद्मप्रिया बालाकृष्णन, संचालक, वन विहार, श्री विजय बाबू नंदवंशी, बायोलॉजिस्ट एवं श्री संकल्प किसनानी के माध्यम से सम्पन्न किया गया।

क्रोक्रोडायल दिवस

विश्व क्रोक्रोडायल दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 17 जून 2023 को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में भ्रमण करने आये पर्यटकों के लिए स्नेक पार्क पर 'On the spot' क्विज़ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 3 समूहों में लगभग 48 पर्यटकों ने भाग लिया। इस आयोजन में पर्यटकों से मगर एवं सरिसृप जीवों से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए जिन प्रतिभागियों ने सबसे ज्यादा सही उत्तर दिए उन्हें पुरस्कार दिया गया। इस क्विज द्वारा प्रतिभागियों को मगर, घड़ियाल एवं अन्य सरीसृप जीवों के विषय में जानकारी देकर पर्यटकों को जागरूक किया।

वन विहार में दौरा

दिनांक 05.04.2023 को ACF trainees कोयंबटूर से आए प्रशिक्षु अधिकारियों को वन विहार भ्रमण कराया एवं श्रीमान संचालक महोदय, सहायक संचालक महोदय, द्वारा जानकारी दी गई।

दिनांक 17.04.2023 को कुंडल फॉरेस्ट अकैडमी महाराष्ट्र से आए, प्रशिक्षु रेंज ऑफिसर को वन विहार, भोपाल का भ्रमण कराया एवं श्रीमान सहायक संचालक महोदय द्वारा वन विहार के बारे में जानकारी दी गई, उनके द्वारा श्रीमान सहायक संचालक महोदय एवं इकाई प्रभारी पर्यटन को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

वन विहार में दिनांक 08.05.2023 को फिफ्थ फेज मिड कैरियर ट्रेनिंग प्रोग्राम अटेण्ड करने वाले 42 आई.एफ.एस. ऑसिफर्स वर्ष 1992 से 1997 बैच के सभी राज्यों से आए आई.आई.एफ.एम. द्वारा की जा रही ट्रेनिंग में शामिल हुए। एक सेशन केप्टिव एनिमल मेनेजेमेंट के सम्बन्ध में वन विहार में भ्रमण हेतु आए थे। सभी ऑफिसर्स को वन विहार में किए जाने वाले इनसिटू और एक्ससिटू कंजरवेशन के साथ-साथ रेस्क्यू रिहेविलिटेशन और एनमिल हेल्थ के बारे में वन विहार में किए जाने वाले विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया।

दिनांक 17.06.2023 को जी-20 समिट के साईन्स ग्रुप के लगभग 48 सदस्यों को वन विहार का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने स्वतंत्र विचरण करने वाले तृणभक्षी वन्यप्राणी चीतल, सांभर, काला हिरण, नील गाय, जैकाल देखे। प्रतिभागी सदस्य बड़े एनक्लोजर में रखे बाघ को देखकर रोमांचित हो उठे। उन्होंने एनक्लोजर में रखे शेर (लॉयन), हायना, पेन्थर एवं स्लॉथ बियर (भालू) भी बड़े रूचि के साथ देखा एवं प्रतिभागियों को भ्रमण करा रहे संचालक, श्रीमती पद्मप्रिया बालाकृष्णन से वन्यप्राणियों से सम्बन्धित प्रश्न पूछे एवं जबाव पाकर संतुष्ट हुए। भ्रमण के दौरान उन्होंने कई प्रजाति के पक्षी जैसे-मोर, कार्मोरेंट, पोंड हेरान, इग्रेट, पेन्टेडे स्टार्क आदि भी देखे एवं उनकी आवाजें सुनकर रोमांचित हुए। प्रतिभागियों ने पहाड़ी बाबा के व्यू पाईन्ट का भी लुप्त उठाया और इसे संरक्षित करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने शहर के मध्य स्थित छोटे से क्षेत्र में किए जा रहे संरक्षण के उत्तम प्रयास को सराहा।

गिद्ध संवर्धन प्रजनन केंद्र भोपाल

दिनांक 24 जून 2023 को गिद्ध संवर्धन प्रजनन केंद्र भोपाल पर 20 सफ़ेद पीठ वाले गिद्ध जटायु संरक्षण प्रजनन केंद्र पिंजौर हरियाणा से लाए गए। यह गिद्ध आनुवंशिक प्रबंधन के अन्तर्गत स्थानांतरित किए गए। जून माह की शुरू में गिद्ध संवर्धन प्रजनन केंद्र एवं वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के कर्मचारियों द्वारा गिद्धों को रखने हेतु क्वारंटाइन पक्षीशाला का निर्माण किया। यह पक्षीशाला तैयार होने के उपरांत हरियाणा के मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक श्री पंकज गोयल को संचालक वन विहार द्वारा अवगत कराया गया कि 21 जून को गिद्ध संवर्धन केंद्र से एक दल गिद्ध लाने पिंजौर पहुँच जाएगा। उक्त दल में BNHS के डॉ. रोहन श्रृंगारपुरे एवं वन विहार के पशु चिकित्सक डॉ. रजत कुलकर्णी का चयन किया गया। श्री गोयल ने अपने अधीनस्त कर्मचारियों को अवगत कराकर भोपाल से दल के पहुँचने से पहले ही सारी तैयारी पूरी कर ली एवं transit pass जारी कर दिया। दिनांक 23 जून 2023 के पूर्वाह्न गिद्धों को पकड़कर उन्हें विशिष्ट रूप से तैयार किए गये vulture transport बक्सों में रखा गया और उन्हें वातानुकूलित वाहन द्वारा पिंजौर से रवाना किया गया। 23 जून की रात को दल शिवपुरी के माधव राष्ट्रीय उद्यान पहुँचा एवं वहाँ के वन विश्राम गृह में गिद्धों की कुशहाली सुनिश्चित की।

24 जून पूर्वांह माधव राष्ट्रीय उद्यान से प्रस्थान कर अपरांह गिद्धों को लेकर दल क्वारंटाइन पक्षीशाला पहुँचा, जहाँ श्री शुभ्रंजन सेन, अपर प्रधान मुख्य वंसनरक्षक (वन्यप्राणी) एवं श्रीमती पद्मप्रिया बालकृष्णन, संचालक, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल द्वारा उक्त गिद्धों को बाड़ों में छोड़ा गया। 26 जून को पूर्वांह गिद्धों को भोजन दिया गया जो उन्होंने कुछ ही समय में ग्रहण कर लिया। सभी गिद्ध स्थस्थ हैं एवं 24 घंटे संबंधित कर्मचारियों कि निगरानी में हैं।

रेनोवेशन ऑफ़ पहाड़ी बाबा:

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में पुरातन कुछ धार्मिक स्थल स्थित हैं, जिसमें प्रमुख रूप से हीरामन बाबा, पहाड़ी बाबा एवं शक्ति माता आदि वर्तमान में भी मौजूद हैं। पहाड़ी बाबा एक प्राचीन एवं धार्मिक स्थल है जो वन विहार नेशनल पार्क निर्माण से भी प्राचीन है। यह स्थान पार्क निर्माण से पहले यहाँ पर रहने वाले ग्रामीणों की आस्था का केंद्र था। आज यहाँ क्षेत्र पर्यटन के माध्यम से बहुत महत्वपूर्ण है पहाड़ी बाबा व्यू पॉइंट से सम्पूर्ण बड़े तालाब को देखा एवं उसका लुप्त उठाया जा सकता है वर्तमान में इस वॉच टॉवर की दीवारों पर अनेक सुन्दर वन्यप्राणियों की पेंटिंग्स बनाई गयी है जो इसे और भी सुसस्जित कर रही है एवं पार्क भ्रमण पर आये पर्यटकों को अत्यंत पसंद आ रही है।

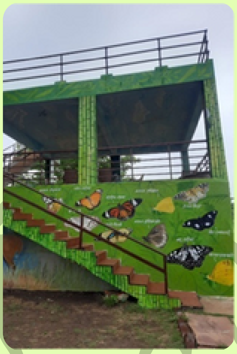

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू के - जू-कीपर

नाम- श्री नन्हेंवीर नामदेव
पद-वनरक्षक

श्री नन्हेंवीर नामदेव वर्ष 2023 से वन विहार में कार्यरत हैं। इनकी शिक्षा हायर सेकेण्डरी है। इनके द्वारा बाँधवगढ़ वनरक्षक ट्रेनिंग सेन्टर से वनरक्षक का प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

प्रतिदिन किए जाने वाले कार्य –

कछुआ बाड़ा के अन्दर एवं बाहर नियमित साफ-सफाई कछुओं की प्रतिदिन गिनती कर उनके स्वास्थ्य सम्बन्धी दैनिक प्रतिवेदन वरिष्ठ को प्रेषित करना, कछुओं के लिए शुद्ध पानी हेतु हर 15 दिवस में वाटर होल की साफ-सफाई की जाती है शुद्ध पानी भरना प्रतिवेदन तैयार कर पंजी संधारित किए जाते हैं। पहाड़ी कछुओं के नियमित समय पर उनके आवश्यकतानुसार ककड़ी, भिण्डी, टमाटर, सब्जी लाकर धोना, सब्जी को साफ कर आवश्यकता से काटकर साफ ड्रम में रखना। उनके खाने चलने-फिरने उनके हाव भाव पर निगाह रखना। गर्मी एवं सर्दी में उनके आवश्यकतानुसार तापमान निर्धारण करना, सर्दी में हवा सर्दी से बचाना एवं गर्मी में लू-लपट से सुरक्षित रखना।

सप्ताहिक रूप से किए जाने वाले कार्य –

कछुआ बाड़े में बने वाटर होल के पानी साफ-सफाई, बाड़ों की साफ-सफाई अन्दर बाहर, मासिक रूप से किए जाने वाले कार्य, वाटर होल की चूने से पुताई कर शुद्ध पानी भरना समय-समय पर, बाड़ों का मेन्टेनेंस कार्य, गेटों में आयल, ग्रीस करना।

इसके अतिरिक्त नन्हेवीर, वनरक्षक द्वारा तालाब सीमा 4.5 किलो मीटर प्रतिदिन फेसिंग निगरानी, चैनलिंक जाली ठीक रखना। खरपतवार उन्मूलन कार्य किया जाता है। जलीय कछुओं के लिए पानी की व्यवस्था, फुआरे चलाना, पानी भरना खाने की व्यवस्था करना।

नाम - श्री रमेश धूलिया
पद - स्थाई कर्मी

श्री रमेश धूलिया वर्ष 2016-17 से वन विहार में स्थाई कर्मी के रूप में पहाड़ी कछुआ बाड़ा, जलीय कछुआ बाड़ा में नियमित देख-रेख, साफ-सफाई का कार्य करते हैं।

प्रतिदिन किए जाने वाले कार्य –

बाड़े के अंदर समस्त पहाड़ी कछुओं की गिनती साफ-सफाई पानी की व्यवस्था चलने-फिरने, आकलन खाने की व्यवस्था करना। बाड़े के अंदर बाहर साफ-सफाई वाटर होल की चूने से पुताई कार्य, शुद्ध पानी भरना, जलीय कछुओं के लिए नियमित मुनारों को चलाना, पानी शुद्ध रखना एवं पानी भरने का कार्य किया जाता है। उक्त कार्य इनके द्वारा कुशलता एवं ईमानदारी से किया जाता है।